डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 08 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 15 अक्टूबर 2023 | मूल्य 2 रुपया

भाजपा उम्मीदवारों को लेकर चल रहा है मंथन

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा द्वारा 136 सीटो पर उम्मीदवारो की घोषणा के बाद बची हुई 94 सीटों के उम्मीदवार तय करने की कवायद तेज हो गई है। इनमें से 67 सीटें 9 मंत्रियों व विधायकों की हैं। वहीं, 27 सीटें भाजपा हारी थी। अब 9 मंत्रियों में से कुछ के टिकट कटना तय है। इसमें गरोठ विधायक देवीलाल धाकड़ का भी नाम बताया गया है। वहां से भी भाजपा नया उम्मीदवार उतार सकती है।

प्रारंभिक चर्चा में करीब 20 विधायकों के टिकट कटने पर सहमति बन रही है। केंद्रीय संगठन के सर्वे को आधार बनाया तो टिकट कटने वालों की संख्या बढ़ जाएगी। भाजपा ने 17 अगस्त से लेकर अभी तक 4 सूची जारी की हैं। कुल 136 प्रत्याशियों के टिकट घोषित हुए हैं। इनमें अनारक्षित सीटों पर 40 ओबीसी उम्मीदवार हैं। यह 27 प्रश से ज्यादा है। 40 सीटों में 16 महिलाओं, 28 युवाओं को भी टिकट दिया गया है।

कीचन में राहत, दाल के भाव उतरे

तेल के साथ अब दाल में भी दस रुपए तक की गिरावट

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। तेल को छोड़कर तुअर दाल सहित अन्य दालों के भाव में लंबे समय से तेजी बनी हुई थी। पिछले 15 दिनों में भाव में लगातार गिरावट के साथ स्थिर स्थिति आई है। तुअर दाल जहां 175 से 180 रुपए प्रतिकिलो थोक में बिक रही थी, वह आज 165 से 170 रुपए किलो पर आ गई है। इतना ही नहीं, चना, मूंग, मसूर और उड़द दाल के भाव में पांच से दस रुपए किलो की मंदी आई है। व्यापारियों के अनुसार तेजी के आसार बहुत कम है।

जिले की बात करें तो अपने मालवा के घरों में सबसे ज्यादा तुअर दाल का उपयोग होता है। ज्यादा मांग के बावजूद किराना बाजार की बात करें तो इस साल के प्रारंभ में अप्रैल-मई तक भाव सौ रुपए किलो के आसपास ही बने रहे। इस साल तुअर दाल की पैदावार कम होने और मांग बनी रहने के कारण जून जुलाई से तुअर दाल के भाव में लगातार तेजी रही। थोक में ही 180 रुपए किलो तक भाव पहुंचने के साथ लंबे समय तक इसी के आसपास रहे। तुअर दाल के भाव में तेजी के कारण जुलाई-अगस्त में चना, मूंग दाल सहित अन्य दालों के भाव भी बढ़ने लगे। जो इस माह के प्रारंभ में 50-55 रुपए किलो बिकने वाली चना दाल 80 रुपए किलो तक पहुंच गई। अन्य दाल के भाव भी सौ रुपए किलो के पार पहुंच गए। इस माह के प्रारंभ में भाव में धीरे-धीरे गिरावट आने लगी। व्यापारियों के अनुसार तुअर दाल सहित चना दाल, मूंग दाल, उड़द दाल व मसूर

दाल के भाव में पांच से दस रुपए तक की गिरावट आ गई। इससे किचन में राहत है और त्योहार तक इसी प्रकार बनी रहने की संभावना है।

दाल के भाव...

दाल	15 दिन पहले	वर्तमान में
तुअर दाल	175 से 180	165 से 170
चना दाल	75 से 80	70 से 75
मूंग दाल	110 से 120	100 से 105
उड़द	115 से 120	105 से 110
मसूर	75 से 80	70 से 75

नोट-दाल के भाव थोक बाजार के अनुसार प्रतिकिलो रुपए में।

मामूली उतार-चढ़ाव के साथ भाव स्थिर...

थोक व खेरची किराना बाजार के विशेषज्ञों के अनुसार श्राद्ध पक्ष के कारण दाल की मांग कम है। आज से नवरात्रि लगने वाली है। ऐसे में मांग कम ही रहेगी। इससे भाव मंदी लिए है। आगे भी भाव में तेजी की उम्मीद कम ही है। मप्र, राजस्थान सहित देश के पांच राज्यों में विस चुनाव का बिगुल बज चुका है। ऐसे में सरकार भाव बढ़ाने का रिस्क नहीं लेगी। दीपावली तक मामूली उतार-चढ़ाव के साथ भाव स्थिर रहने की उम्मीद है।

मंदसौर पुलिस कप्तान की रिपोर्ट पर प्रतापगढ़ के पुलिस मुखिया ने की कार्यवाही...

बदमाश जैद से मिलने वाली महिला आरक्षक निलंबित

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस कप्तान अनुराग सुजानिया की गोपनीय रिपोर्ट पर प्रतापगढ़पुलिस के मुखिया अमित कुमार ने कार्रवाई करते हुए एक महिला कांस्टेबल को निलंबित किया है। कांस्टेबल जयंत बानो से कुख्यात तस्कर और अपराधी जैद से संबंध सामने आए है। रिपोर्ट मिलते ही प्रतापगढ़ के पुलिस मुखिया ने कार्रवाई की है। महिला कांस्टेबल जयंत बानो अपराधी जैद खान से से मुलाकात करके आई थी। उसे तस्कर से संबंध रखने के आरोप में निलंबित किया गया है। वह प्रतापगढ़ पुलिस लाइन में तैनात थी। जयंता बानो ने हाल ही में ड्यूटी के दौरान मंदसौर जाकर एक कुख्यात तस्कर एवं अपराधी जैद से मुलाकात की थी। जैद के खिलाफ तस्करी और हत्या समेत 15 से ज्यादा संगीन मामले दर्ज हैं। इस तरह के एक मामले में कुछ दिनों पहले ही दो पुलिस कांस्टेबल को निलंबित किया गया था। साथ ही पुलिस मुखिया अमित कुमार की गोपनीय रिपोर्ट पर मध्यप्रदेश की नीमच पुलिस ने चार पुलिसकर्मियों को निलंबित किया था। लेडी पुलिस कांस्टेबल के निलंबन से जुड़े इस मामले में मध्य प्रदेश के मंदसौर पुलिस कप्तान श्री अनुराग सुजानिया की गोपनीय रिपोर्ट काफी महत्वपूर्ण है।

जैद की मां ने बताया एनकाउंटर का खतरा...

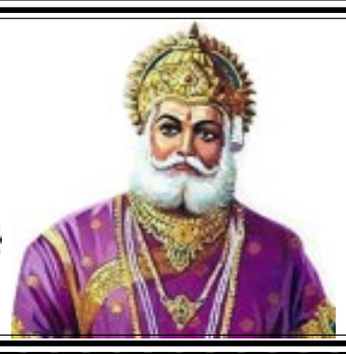

सौतेली मां की हत्या करने का आरोपी हिस्ट्रीशीटर जैद खान प्रतापगढ़ जैल में खौफ के साये में दिन काट रहा है। उसकी मां को अपने बेटे का एनकाउंटर का डर है। प्रतापगढ़ में गिरफ्तारी के बाद मप्र पुलिस जैद खान को तस्करी के मामले में गिरफ्तार कर मंदसौर लाई है। उधर उसकी मां ने जैद को हाथ पैर बांधकर पूरी सुरक्षा के साथ मंदसौर जैल ले जाने की अर्जी जैल अधीक्षक को दी है, ताकि पुलिस बेटे का एनकाउंटर साबित कर मार नहीं सके। पत्र में ये आशंका जताई गई है कि मप्र

पुलिस की मदद से राजस्थान पुलिस जैद का झूठा एनकाउंटर करवा सकती है।

सौतेली मां की हत्या के मामले में प्रतापगढ़ कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम अखेपुर निवासी जैद खान ने कुछ समय पहले हाईकोर्ट से गवाहों को होस्टाइल करवाकर जमानत ले ली थी। इस बीच आरोपी जैद ने जिले की किसी युवती को जबरन साथ रखने के लिए उसे कॉल पर धमकी दी थी कि मै तेरी मां को मार सकता हूं तो तू क्या चीज है? इसके बाद से प्रतापगढ पुलिस सौतेली मां की हत्या के मामले में जैद के खिलाफ नए साक्ष्य जुटाकर फिर से गिरफ्तार करने की तैयारी में थी। इसकी भनक लगने पर जैद ने पांच अक्टूबर को कोर्ट में सरेंडर कर दिया और कोर्ट ने उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। जैद के प्रतापगढ़ जैल में होने की सूचना मिलने पर मंदसौर पुलिस ने 15 ग्राम ब्राउन शुगर तस्करी के मामले में कोर्ट से आदेश लेकर प्रतापगढ़ जैल से जैद को गिरफ्तार करने का प्रोडक्शन वारंटी जारी करवा दिया। बता दें कि वर्ष 2019 में प्रतापगढ़ के बावडी मोहल्ले में रजिया बी की गोली मारकर हत्या करने का आरोप जैद जैद पर है। मृतिका रजिया बी जैद की सौतेली मां थी।

दादा और पिता भी अपराध की दुनिया से...

20 वर्षीय आरोपी जैद पर नाबालिग रहते हुए ही हत्या के दो मामले दर्ज हो गए थे। करीब 14 साल की उम्र में एमपी में पहले मर्डर का मामला दर्ज होने के बाद नाबालिग... **शेष पेज 4 पर**

विचार-मंथन

वास्तविक लाभ से वंचित है ज्यादातर लोग

बिहार में जाति जनगणना के आंकड़े आने के बाद अब यह एक तरह से राष्ट्रीय चुनावी राजनीति का एक अहम औजार मान लिया गया है और खासतौर पर विपक्षी गठबंधन इसे अपने हक में कारगर मुद्दे के तौर पर देख रहा है। इसी को देखते हुए कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने इस पर अपने रुख से यह लगभग साफ कर दिया है कि 2024 के आम चुनाव में जाति का सवाल उनकी पार्टी और गठबंधन के लिए सबसे प्रमुख मुद्दा होने जा रहा है। मंगलवार को उन्होंने जाति जनगणना को देश का 'एक्स-रे' करार दिया और कहा कि यह अन्य पिछड़ा वर्ग यानी ओबीसी, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की दशा को उजागर करेगा, जो 'घायल' है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी केंद्र सरकार को यह कवायद कराने के लिए मजबूर करेगी। अपनी नई राजनीति में राहुल गांधी ने जाति जनगणना को प्रमुख मुद्दा बनाते हुए यह साफ कर दिया है कि वे वंचित सामाजिक तबकों को उनका अधिकार दिलाने पर जोर देंगे। लेकिन सवाल है कि इस मसले को राजनीति का मुख्य केंद्र बनाने के नतीजे में देश और समाज में कौन-सी नई परिस्थितियां पैदा होंगी और उसमें वास्तविक न्याय कितना सुनिश्चित हो सकेगा! सही है कि जाति भारतीय समाज की एक हकीकत रही है और समूचे सत्ता संरचना और तंत्र के स्तर पर एक बड़े सामाजिक समूहों की पर्याप्त भागीदारी सुनिश्चित नहीं हो सकी। इसके लिए स्वतंत्रता के बाद से सत्ता संभालने वाली अमूमन सभी सरकारों की अपनाई गई वे नीतियां जिम्मेदार रही हैं, जिनमें घोषणाएं तो समूची जनता का हित तय करने के लिए की गईं, लेकिन व्यवहार में समाज का ज्यादातर हिस्सा जनकल्याण की योजनाओं के वास्तविक लाभों के दायरे से बाहर ही रहा। तो अब अगर राहुल गांधी और उनकी पार्टी जाति को केंद्र में रख कर राजनीति की दिशा तय करने का संकेत दे रहे हैं तो क्या यह अतीत में उनकी पार्टी की ओर से हुई 'चूक' की स्वीकारोक्ति भी है? जाति आधारित जनगणना का मकसद अगर हर स्तर पर वंचित रह गए सामाजिक समूहों की पहचान और इसके कारणों की पड़ताल कर एक समावेशी व्यवस्था तैयार करने के रूप में अमल में आता है, तो इससे किसी को असहमति नहीं होगी। कोई भी इंसाफ-पसंद व्यक्ति और समूह यही चाहेगा। लेकिन अगर इसे राजनीति का औजार बनाया जाता है तो इसका हासिल शायद सामाजिक विभाजनों के और तीखा होने के रूप में सामने आए। इक्कीसवीं सदी का सफर तय करते देश में यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब शायद सभी जाति-वर्गों के तमाम संवेदनशील लोगों की यह सदिच्छा होगी कि जाति की दीवारें टूटें और यह व्यवस्था खत्म हो। शहरों-महानगरों में एक ऐसी पीढ़ी तैयार हो रही है, जो निजी जीवन और भविष्य के मामले में खुद से संबंधित किसी फैसले के संदर्भ में जाति-व्यवस्था के पारंपरिक पैमाने को मानने के लिए तैयार नहीं है और न ही उस पर ध्यान देती है।जरूरत इस नई हवा को और साफ करने की है, जिसमें जाति की जड़ता से जुड़े पूर्वाग्रहों-दुराग्रहों की कोई जगह न हो और सभी न्याय आधारित भागीदारी का स्वागत करें। इसमें देश के सभी राजनीतिक दलों की मुख्य जिम्मेदारी बनती है। लेकिन अफसोस की बात यह है कि सभी पार्टियां किसी न किसी बहाने जाति को आधार बना कर अपनी राजनीतिक जमीन पुख्ता करना चाहती हैं। वंचित सामाजिक तबकों के लिए न्याय और भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयासों से कोई इनकार नहीं कर सकता। लेकिन इसके लिए जाति जनगणना या इसके आंकड़े को अगर जातिगत विभाजन को और मजबूत करने का हथियार बनाया जाता है तो आने वाले वक्त में कैसी तस्वीर तैयार होगी, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है।

इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्षः अभिमन्यु का चक्रयूह में प्रवेश हो गया...

विजय तिवारी

फिलिस्तीन और इज़राइल के मध्य हो रहे संघर्ष को महाभारत के उस प्रकरण से समझा जा सकता है जिसमें कौरवों के चक्रव्यूह को भेदने के लिए अभिमन्यु ने सात -सात महारथियों से युद्ध किया, था। उसी प्रकार आज फिलिस्तीनियों के साथ अरब राष्ट्रों की चुप्पी और विश्व की महा शक्तियों का इज़राइल को अनैतिक समर्थन ही हैं। इज़राइल और फिलिस्तीनियों का संघर्ष की नीव अंग्रेज़ों द्वारा बालफोर संधि से 1948 में ही हो गया था, जब तीन मित्र राष्ट्रों (ब्रिटेन -फ्रांस और अमेरिका) ने अरब बहुल क्षेत्र में हिटलर के शिकार यहूदियों को उनका राष्ट्र बना कर दे दिया। दुबारा तीन अरब राष्ट्रों (मिश्र -सिरिया और लेबनान) के साथ 57 वर्ष पूर्व हुए युद्ध में पराजित राष्ट्रों ने इज़राइल के गाज़ा पट्टी और गोलन हाइट पर इज़राइल के अवैध कब्जे को मान्यता दे दी। गौर तलब है तीनों धरम जिन्हें अब्रहानिक भी कहा जाता है -उनके सम्मिलित धरम स्थल यरुशलम को भी इज़राइल को सौंप दिया था। यूं तो इस स्थल की निगरानी के लिए जोर्डन को अधिकार दिया गया था, तीनों मित्र राष्ट्रों द्वारा। उस समय हुई संधि में गाज़ा पट्टी पर बसे फिलिस्तीन के अरब लोगों को अपनी भूमि पर खेती और व्यापार करने का अधिकार दिया गया था। बदले में इज़राइल को यह जिम्मेदारी भी दी गयी थी कि वह इस इलाके के बाशिंदों को पेय जल -भोजन और बिजली सुलभ कराएगा। बदले में फिलिस्तीनी इज़राइल के विरुद्ध किसी भी हिंसक कार्रवाई में भाग नहीं लेंगे। सब कुछ ठीक -ठाक चल रहा था, परंतु इज़राइल को अपनी आबादी के लिए बसाहट के लिए जमीन की सख्त ज़रूरत थी। इसलिए उसने गोलन हाइट में अरब आबादी को बहाने बना कर उनकी जमीन पर कब्जा करना शुरू कर दिया। बस यहीं से फिलिस्तीन और इज़राइल का झगड़ा शुरू हुआ। साथ ही इज़राइल ने अल अक्सा मस्जिद पर अरब लोगों के प्रार्थना करने पर रुकावट डालनी शुरू कर दी। वे सभी फिलिस्तीनी स्त्री -पुरुषों की तलाशी के बहाने परेशान करने लगे। अंतरराष्ट्रीय प्रेस में भी फिलिस्तनियों की परेशानियों और इज़राइल के सैनिकों के दुर्व्यवहार की खबरें छपती रही। फिर एकदम से मीडिया के यहूदी मालिकों के दबाव में उनको आतंकवाद की संभावना का रंग दिया जाने लगा। ब्रिटेन के बीबीसी ने तो एकतरफा कवरेज करना शुरू कर दिया। खबर में संतुलन के लिए वे एक फिलिस्टीनी विद्वान या जानकार को भी बुलाते थे, परंतु इज़राइल की हरकतों के बारे में उनके वर्णन पर वे काफी टोका टॉकी भी करते पाये गए। अब वर्तमान लड़ाई , क्यूंकि युद्ध तो दो राष्ट्रों में ही होता है, यहां एक ओर इज़राइल है तो दूसरी ओर कुछ संगठन है जो फिलिस्तीनियों पर हुई ज्यादतियों के खिलाफ अंतरराष्ट्रिय जगत द्वारा मौन साधने से पीड़ित थे। उन्होंने जब बातचीत से मसले का हल नहीं निकलते दिखायी दिया, तब उन्होंने हथियारों का इस्तेमाल करना शुरू किया। मित्र राष्ट्रों की सरकारों द्वारा फिलिस्तीनियों की समस्या का हल नहीं किए जाने से निराश होकर ही यह लड़ाई शुरू हुई। बात इतनी ही नहीं थी, इज़राइल वक्त बे वक्त गाज़ा पट्टी पर राकेट या गोले दाग कर हमास के अड्डों को बर्बाद करने का बहाना बनाता था। इस गोलाबारी से या कहे कि हमले से आबादी के एरिया मे बाशिंदे ही मारे जाते थे। इसमें बच्चे और बुढ़े दोनों ही होते थे। आज पश्चिमी मीडिया हमास के हमले में बेगुनाह बच्चों के मारे जाने का रोना रोता है, पर क्या विगत दस वर्षों में गाज़ा पट्टी इज़राइल के हमलों में मारे गए लाखों बच्चों की हत्या का गुनाहगार यह यहूदी राष्ट्र नहीं है ? एक और बेचारगी बताई जाती है कि महिलाओं और वृद्धों को हमास द्वारा किडनैप करना मानव अधिकारों का उल्लंघन है। सही है, परंतु इज़राइल द्वारा अल -अक्सा मस्जिद पर प्रार्थना के लिए जाने वाली अरब महिलाओं को जबरन बंदी बनाने की भी घटनाएं हुई हैं, उनके बारे में अमेरिका और उसके यूरोपीय राष्ट्र सहयोगियों द्वारा जबान बंद है, क्यूं। इस संघर्ष को इज़राइल द्वारा युद्ध करार देना अंतर्राष्ट्रीय नियमों के प्रतिकूल है क्यूंकि युद्ध दो राष्ट्रों के मध्य होता है। अथवा यह कहें कि यह लड़ाई भी वियतनाम और अफगानिस्तान की भांति स्थानीय आबादी और उनकी भूमि और अधिकारों पर कब्जा किए हुई शक्ति से है? वियतनाम और अफगानिस्तान में हम देख चुके है कि किस प्रकार दुनिया की महाशक्ति समझे जाने वाले अमेरिका को भी स्थानीय निवासियों का गुस्सा झेलना पड़ा था और दसियों साल बाद भी उसे मैदान छोड़ना ही पड़ा था। फिलहाल मिल रही खबरों के अनुसार हमास के लड़ाकों की मौत की संख्या भी लगभग उतनी ही बताई जा रही है जितनी इज़राइल के फौजियों और यहूदियों की हो रही है। इज़राइल ने तो पूरे गाज़ा पट्टी के बाशिंदों को ही हमास के लड़ाके मान लिया है इसीलिए उसने अब आबादी का पानी, बिजली और भोजन की नाकाबंदी कर दी है। जिससे कि वहां पर मौजूद गैर फिलिस्तीनी भी प्रभावित हो रहे हैं। इज़राइल अपने सैनिकों द्वारा की गयी कार्रवाई की कभी भी निष्पक्ष जांच नहीं कराता है। उदाहरण के तौर पर अल जज़ीरा की महिला संवाददाता की गोली मारकर हत्या की गयी। इज़राइल सरकार को घटना के समय के फुटेज' भी दिखाये गए, परंतु न ही उसने गलती मानी और न ही वहां की सरकार अंतरराष्ट्रिय एजेंसी से जांच कराने पर राज़ी हुई। आज भी वह मसला जिंदा है। वैसे अरब लीग ने संयुक्त राष्ट्र संघ में मसले को उठाने का प्रयास किया है। जिससे की मुद्दे का समाधान वार्ता के जरिये सुलझाया जा सके। परंतु इतिहास गवाह है कि बलशाली राष्ट्रों का लालच सदैव हकीकत और सच पर भारी पड़ता रहा है। हिटलर की जिद ने दुनिया को विश्व युद्ध में झोंक दिया था। ब्रिटिश प्रधानमंत्री चेमबेरलेन के शांति समझौते को रद्दी के टुकड़े की भांति उसने फेंक दिया था। हिटलर की नस्लवादी सोच के शिकार यहूदी आज वही गाज़ा पट्टी में कर रहे हैं, जो हिटलर ने उनके साथ किया था। यानि की पूरी कौम को शत्रु समझना। नस्ल, जाति या कबीला की सोच आज भी दुनिया में कायम है। अमेरिका ब्रिटेन में आज भी ऐसी घटनाएं हुई है जिसका आधार सिर्फ चमड़ी का रंग रहा है।

आत्म-जुनून के प्रतीक बन गई सेल्फी

सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

आजकल सोशल मीडिया के प्रभुत्व वाली दुनिया और सत्यापन की निरंतर आवश्यकता में यह स्पष्ट हो गया है कि हम डिजिटल युग के नागरिक वास्तविकता से संपर्क खो चुके हैं। भारी मन से ही सही, अब निर्णय लेने का समय आ चुका है कि सेल्फी पर लोगों को अपनी ओर लगाम लगाना चाहिए। सोचने, विचारने और खुद में झांककर देखने की जरूरत है। हम क्या थे और क्या बन गए हैं? सड़कों पर चलते हुए अपने आसपास की दुनिया से बेखबर, इच्छानुरूप भंगिमा में ठहरने और अपने आत्म-चित्रों के लिए नौटंकी करने में तल्लीन अनगिनत लोगों को नजरअंदाज करना असंभव है। फोटोग्राफी कभी पवित्र मानी जाने वाली कला थी। अब भी है, लेकिन सेल्फी नामक आत्ममुग्धता के चलते कैमरा थामने वालों के प्रति एक अजीब भाव उत्पन्न होता है। यह आत्ममुग्धता वाला दौर समाज के सभी कोनों को संक्रमित कर रहा है। स्मार्टफोन के इस युग में सेल्फी आत्म-जुनून के प्रतीक में बदल गई है। आनलाइन प्रशंसा के क्षणभंगुर पल हासिल करने के लिए खुद को तरह-तरह की रोशनी में नहला कर बाह्य आकर्षण का केंद्र बनने की दुनिया से बाहर निकलने की आवश्यकता है। हम अपने डिजिटल अवतारों को बेहतर बनाने में घंटों बिताते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारे अनुयायी हमारी सावधानीपूर्वक तैयार की गई जीवनशैली और सुखदायक अस्तित्व को पहचानें। क्या ये उथले आनलाइन संपर्क हमारे वास्तविक मानवीय अनुभवों का त्याग करने लायक हैं? इसलिए एक सरल समाधान प्रस्तावित करने की आवश्यकता है, जिसका उद्देश्य मानवता को आत्म-अवशोषण के अत्याचार से मुक्त करना हो। इसके तहत सेल्फी के प्रति दूरी बनाना जरूरी है। इसके बजाय हमें वास्तविक क्षणों को संजोना चाहिए, ऐसी यादें बनानी चाहिए जो स्मार्टफोन के स्क्रीन की सतह से परे अपनत्व को बढ़ावा देने वाले हों। अफसोस है कि सेल्फी की दुनिया में उठने-बैठने, जागने-सोने, रोने-धोने वालों की दुनिया में कमी नहीं है। ऐसे लोग उसके पक्ष में तर्क दे सकते हैं कि कभी-कभार पारिवारिक फोटो या सुंदर तस्वीरों से क्या परेशानी! लेकिन सवाल फोटोग्राफी पर रोक का नहीं है। दिक्कत वैसे लोगों से है जो सेल्फी के नाम पर आए दिन अजीबोगरीब कारनामे करते हुए आगे चलकर आत्ममुग्धता में ऐसे डूब जाते हैं कि उन्हें वास्तविक दुनिया में ला पाना सबसे कठिन कार्य हो जाता है। ऐसे लोगों को अपने चेहरों पर इतना गुमान होता है कि वास्तविकता दिखाने वाले ग्रह को छोड़कर कल्पनाशीलता की दुनिया में विचरते रहते हैं। पारिवारिक चित्रों जैसी चीजें कीमती यादों को संरक्षित करने या हमारे परिवेश की सुंदरता को कैद करने के उद्देश्य से काम करती हैं। कल्पना करें एक ऐसी दुनिया की, जहां लोग वास्तव में चमकती स्क्रीन पर आंख गड़ाए बिना आत्मीय बातचीत में लगे रहते हैं। एक ऐसी दुनिया, जहां हम अपनी भंगिमा पर ध्यान देने के बजाय सूर्यास्त की सूक्ष्म सुंदरता की सराहना करते हैं। लोग 'स्नैपचैट फिल्टर' और संपूर्णता की मुद्रा के बंधनों से मुक्त होकर वास्तविकता की दुनिया में जीना चाहते हैं तो उन्हें सेल्फी की मोहमाया से हटकर वास्तविकता की दुनिया के समीप जाने का प्रयास करना चाहिए। इसके अलावा, हमें इस प्रस्ताव के आर्थिक निहितार्थों को नहीं भूलना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण सेल्फी से पहले दर्पण के सामने साज-सज्जा और केश-विन्यास को बेहतर बनाने में बर्बाद किए गए घंटों के बारे में सोचना चाहिए। सौंदर्य उद्योग, जो अब हमारे आत्म-जुनून पर निर्भर है, को अनुकूलन की आवश्यकता होगी। शायद वे उन उत्पादों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं जो झूठी वास्तविकता को बनाए रखने के बजाय वास्तव में हमारी प्राकृतिक सुंदरता को बढ़ाते हैं। समाज की प्राथमिकताएं बहुत विषम हैं। सेल्फी का चलन और आकर्षण हमारी खोई हुई ऊर्जा और आभासी अजनबियों की वाहवाही के लिए जीने की बढ़ती महामारी का प्रमाण है।

सुखी जीवन के लिए ज्यादा ख्वाहिशें मत रखिए

मनुष्य के जन्म से लेकर मृत्यु तक बहुत सारे संघर्ष होते रहते हैं। कुछ लोग जीवन जीते हैं, कुछ जीवन बिताते हैं। कुछ उसको काटते है तो कुछ का जीवन यों ही काल बीतने के साथ बीत जाता है। हरेक का जीने का अंदाज और माध्यम अलग-अलग है। रह-रहकर सवाल कौंधता है कि किस तरह से और कैसा जीवन जीएं! जिंदगी का गणित गणना की तरह परिणामी नहीं होता और बहुधा उसे हल करने का प्रयास होता है। लेकिन सुख-दुख का खाता समझ से परे होता है। इसमें कर्मों के सिवा कुछ नहीं बचता। महत्व इसका नहीं कि हम कैसा जीवन चाहते हैं, बल्कि इसका है कि जीवित कैसे रहें। जीवन उद्देश्यपूर्ण तो रहना ही चाहिए और हर पड़ाव नई शुरुआत का इंतजार करता है। बेशक जिंदगी में खत्म होने जैसा कुछ नहीं होता। जिंदगी जबर्दस्त है, जिसे जबर्दस्ती नहीं, बल्कि जबर्दस्त तरीके से जीना चाहिए। दुनिया के इस रैन-बसेरे में पता नहीं, कितने दिन और कैसे रहना है! जैसे नदी कल-कल करती बहती है और वापस नहीं आती, उसी तरह रात-दिन लौटकर नहीं आते। बचपन, जवानी, अधेड़ और बुढ़ापा जीवन के प्रधान अंग हैं। आधी जिंदगी मूल पाठ है और उसके बाद व्याख्या मुंह खोलती है, बशर्ते उसे सुनने के लिए तैयार हों। निस्संदेह उसे बदलने के लिए संघर्ष करना पड़ता है और आसान बनाने के लिए समझना पड़ता है। इसलिए हर तपिश मुस्कराकर झेलनी चाहिए, क्योंकि धूप कितनी भी तेज हो, पर वह समुद्र को सुखा नहीं सकती। जैसे वृक्ष कभी व्यथित नहीं होता कि उसने कितने पुष्प खो दिए, पर वह सदैव नए पुष्पों के सृजन में तल्लीन होता है। गुरु नानक कहते हैं कि कर्म भूमि पर कुछ अच्छा पाने के लिए मेहनत सबको करनी पड़ती है। तेजी से बदलते सामाजिक, आर्थिक और बौद्धिक दौर में बदलाव हमारा निरंतर पीछा कर रहा है। जीवन परीक्षा में अधिकांश लोग इसलिए विफल रहते हैं, क्योंकि वे बिना सोचे-समझे दूसरों की नकल करते हैं। यकीनन सभी को जिंदगी का अलग-अलग प्रश्न-पत्र दिया जाता है और उसे हल करना हमारी जिम्मेदारी है। जीवन रूपी रस्सी उम्मीदों में झूलती है। ऐसा मानें कि आज कल से बेहतर है और कल आज से बेहतर होगा। डाली से टूटा फूल फिर से लगाना संभव नहीं, मगर डाली मजबूत हो तो नया फूल खिलने का रास्ता सदा खुला है। जिंदगी में खोए पल वापस ला नहीं सकते, मगर उत्साह-विश्वास से आने वाले हर पल को सुंदर बनाया जा सकता है। जीवन ऐसा फूल है, जहां कांटे तो बहुत हैं, मगर सौंदर्य की कमी नहीं है। निस्संदेह पटरी से उतरे जीवन को पटरी पर लाना कठिन है, इसलिए उल्टी राह चलकर सीधे मार्ग पर आना एक चुनौती है। एक बुजुर्ग से किसी ने पूछा कि क्या कभी बर्तन धोए हैं, तो उन्होंने कहा कि जी, धोए हैं। पूछने लगे, क्या सीखा? बुजुर्ग मुस्कराते हुए बोले, बर्तन को बाहर से कम और अंदर से ज्यादा धोना पड़ता है। जिंदगी में किसी से अपनी तुलना नहीं करनी चाहिए। जो जैसा है, सर्वश्रेष्ठ है। जीवन ऐसी जोरदार प्रतिध्वनि है, जहां सब उस तरह लौट आना है, जो भी अच्छा-बुरा किया। ऐसे में यह सब अच्छा देने का प्रयास किया जाए, ताकि उसकी गूंज हमारे अनुकूल हो। जिंदगी खेल है और हम पर निर्भर है कि खिलाड़ी बनना चाहते हैं या खिलौना। सुखी जीवन के लिए जिंदगी से ज्यादा ख्वाहिशें नहीं रखनी चाहिए। बस प्रयास किया जाए कि अगला कदम पिछले से बेहतरीन हो और भविष्य में उस पर पछतावा न हो। जीवन में कभी-कभी कसौटी का ऐसा पल भी आ धमकता है, जब तय करना होता है कि पन्ना पलटना है या किताब बंद करनी है।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5024

4		6		2				
	8		4				9	3
3				8	5			2
7		9						8
	5			7			4	
6						7		1
9			2	4				5
2	6				8		7	
				3		1		9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5023

1	9	8	7	5	6	4	3	2
3	2	6	1	9	4	8	5	7
5	4	7	3	2	8	1	6	9
2	6	9	5	1	7	3	8	4
7	1	3	4	8	9	5	2	6
4	8	5	6	3	2	7	9	1
9	3	2	8	4	1	6	7	5
6	5	4	9	7	3	2	1	8
8	7	1	2	6	5	9	4	3

वर्ग पहेली 5024

संकेत: बाएं से दाएं

1. 2002 में इस देश में मिलने के वायदे के साथ 14 में [illegible] (3)
4. उत्तराखंड का गंगातट पर बसा एक शहर (4)
7. [illegible] (4)
9. [illegible] पीटने का डंडा (2)
10. [illegible] से प्रसिद्ध रही है ये अभिनेत्री (5)
12. पंचतत्वों में से एक, आब, नीर (2)
14. कमल, कुमुद फूलों की लंबी और खोखली नली (2)
16. संतान, वंशज (3)
18. एक मंगल वाद्य, मृदंग (4)
21. याद करने के लिए बारंबार दोहराना (3)
22. [illegible] (3)
23. [illegible] के चौबीस [illegible] की गड्डी, [illegible] की टोली (2)
24. इस समय, इस वक्त (2)
26. भूमि आदि पर लगने वाला कर, भूकर (3)
27. जिसकी सभी सतह समान हों (4)

ऊपर से नीचे

1. भूतकाल, वर्तमान और भविष्यकाल में, इस फिल्म में कपूर परिवार की तीनों पीढ़ियों (पृथ्वीराजकपूर, राज कपूर व रणधीर कपूर) ने एक साथ अभिनय किया (8)
2. नीचे वाला भाग, पतल, तल (2)
3. [illegible] (3)
5. गीत, तराना (3)
6. पूजा करने वाला (3)
8. [illegible] नहीं (3)
11. किसी विश्वविद्यालय का सर्वोच्च अधिकारी (4)
13. मस्तक, माथा, पेशानी (3)
15. [illegible] (2)
17. अविराम, [illegible] शब्द करते हुए, निरंतर (4)
19. त्वचा, चमड़ी (2)
20. महत्व, गरिमा, महिमा (4)
25. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5023 का हल

अ	लो	क	कु	मा	र	■	ब
प	ला	श	■	■	अ	प	ना
रा	■	■	मं	द	का	र	ना
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	■	[illegible]	■
ता	ल	■	द	■	न	■	स
■	न	■	[illegible]	ला	[illegible]	रि	[illegible]
[illegible]	■	धो	■	न	स	■	ना
का	ई	■	स	मा	[illegible]	न	■

यूडीए के तत्कालीन सीईओ रावत एवं ससुर सहित 9 के विरूद्ध लोकायुक्त प्रकरण दर्ज

उज्जैन, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। लोकायुक्त संगठन ने पद के दुरुपयोग के मामले में उज्जैन विकास प्राधिकरण के तत्कालीन सीईओ सोजानसिंह रावत सहित 8 अधिकारी कर्मचारियों पर प्रकरण दर्ज कर लिया है।पद के दुरुपयोग का मामला सामने आया हैसभी के विरूद्ध अपराध क्र.221 / 2023 धारा 7 13 (1) ए, 13 (2) भ्र.नि.अधि. 1988 (संशोधन 2018) व 409, 420, 120-बी भादवि का प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

डीएसपी लोकायुक्त सुनील तलान बताते हैं कि लोकायुक्त संगठन को उज्जैन निवासी डॉ. राहुल कटारिया ने मार्च 2023 में शिकायत की थी।शिकायत में बताया गया था कि वर्ष 2021 में यूडीए उज्जैन के चतुर्थ श्रेणी, बीपीएल कार्डधारी कर्मचारी मनीष यादव को एचआईजी श्रेणी का 216 वर्गमीटर का भूखण्ड क्रं ए- 16 / 7 त्रिवेणी विहार नियम विरूद्ध आवंटित किया गया तथा यूडीए को लाखों रू का नुकसान हुआ है। मात्र बारह हजार मासिक वेतन पाने वाले कर्मचारी द्वारा 30 लाख बाजार मूल्य वाला भूखण्ड कर्मचारी कोटे में 25 लाख रूपये में खरीदे जाने व शिकायत में उल्लेखित अन्य अनियमितताओं की जांच के लिए डीएसपी सुनील तालान को अधिकृत किया गया। शिकायत की जांच में सामने आया कि उक्त भूखण्ड के आवंटन में अनियमितताए हुई तथा उक्त भूखण्ड क्रय करने के दौरान बोली लगाने की ई. एम. डी. (प्रतिभूति राशि) सहित आवेदन के पश्चात् तक कुल 25,40,000/- रू का भुगतान महावीर यादव द्वारा किया गया है जो तत्कालीन सीईओ सोजनसिंह रावत के ससुर है। यूडीए की तत्कालीन गठित समिति सहित भुगतान की जांच करने वाले अधिकारी / कर्मचारी द्वारा सीईओ के प्रभाव में आकर नियमविरुद्ध आवंटन किया। मनीष यादव को दिनांक 27.04.2022 को अलखनंदा नगर योजना में निवास हेतु शासकीय क्वार्टर एफ टाईप का पूर्णत: नियम विरूद्ध आवंटित किया गया इस टाईप के आवास की पात्रता केवल राजपत्रित अधिकारियों को ही है जबकि चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी को उक्त आवास रहने हेतु आवंटित किया गया। जांच में सामने आया कि मनीष यादव के साथ 7 हेतु कार्यपालन यंत्री के सी पाटीदार ने भी निविदा भरी थी परंतु उन्हें क्षिप्रा विहार के भूखण्ड सी - 12 / 9 हेतु आवेदन कराया गया। भूखण्ड क्रं ए- 16 / 7 हेतु तैयार शपथपत्र में कांटछांट कर उसी को सी - 12 / 9 क्षिप्रा विहार के आवेदन में संलग्न किया गया। ए - 16 / 7 त्रिवेणी विहार की श्री पाटीदार की निविदा प्राधिकरण कर्मचारी का प्रमाण-पत्र न लगाने का कारण बताकर निरस्त की गयी तथा सी- 12 / 9 की निविदा में गलत शपथ पत्र व फार्मेट का कर्मचारी प्रमाण पत्र लगाने पर भी निविदा वैध मान ली गयी व नियमविरुद्ध आवंटन आदेश उनके पक्ष में किया गया। खास तो यह सामने आया कि पाटीदार कर्मचारी कोटे के आवंटित आवास क्र सी- 46 / 6, सीनियर एमआईजी ऋषिनगर को वर्ष 2003 में ही अन्य कर्मचारी अलबेलसिंह से क्रय कर चुके थे। वर्ष 2019 में उसे लीज डीड से फ्री होल्ड भी करा लिया था। ऐसे में पूर्व से कर्मचारी कोटे की प्राप्टी होने से उन्हें यूडीए की दूसरी प्राप्टी को कर्मचारी कोटे में खरीदने हेतु निविदा प्रस्तुत करने के पात्र ही नहीं थे। इस प्रकार श्री सोजनसिंह रावत व उनके ससुर श्री महावीर यादव ने मिलकर मनीष यादव के नाम से बेनामी संपत्ति नियमविरूद्ध आवंटन जारी कर क्रय किया।

ये भी जांच में सामने आया- 1. बीपीएल कार्डधारी द्वारा एचआईजी भूखण्ड क्रय :- श्री मनीष यादव के पास बीपीएल कार्ड था तथा वह पीडीएस का राशन भी प्राप्त कर रहा था। एचआईजी प्लॉट आवंटन के बाद भी वह उक्त लाभ ले रहा था तथा खाद्य विभाग ने 18 अक्टूबर 22 को उसका कार्ड रद्द किया। 2. यूडीए के तत्कालीन संपदा अधिकारी जयदीप शर्मा ने यह कहते हुए कि अन्य व्यक्ति द्वारा किसी दूसरे व्यक्ति को आवंटित भूखण्ड के भुगतान के बारे में नियम मौन है, प्रक्रिया को वैध ठहराने की कोशिश की। इंदौर विकास प्राधिकरण से जानकारी प्राप्त करने पर स्पष्ट हुआ कि किसी व्यक्ति को आवंटित भूखण्ड / संपत्ति की राशि का भुगतान यदि अन्य व्यक्ति करता है तो यह बेनामी व्यवहार है तथा वैधानिक कार्यवाही किये जाने योग्य है।इससे स्पष्ट हुआ कि मनीष यादव को आवंटित भूखण्ड का भुगतान महावीर यादव ने किया जो पूर्णत: अवैध है। 3.जांच में मनीष यादव ने पक्ष रखा कि उन्होंने महावीर यादव से राशि उधार ली है, जबकि इसकी कोई सूचना / अनुमति उन्होंने अपने विभाग से नहीं ली। सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के प्रावधानों का भी सर्वथा उल्लंघन किया गया। 4. विनोद सिंघई, कार्यपालन यंत्री नितिन यादव, मुकेश सोलंकी व सौरभ दोहरे (संपरीक्षक) की भूमिका भी प्रकरण में पायी गयी।

इनके विरूद्ध प्रकरण दर्ज-पद के दुरुपयोग एवं शासन को षड्यंत्रपूर्वक हानि पहुंचाने के आपराधिक कृत्य सामने आने पर लोकायुक्त पुलिस ने 1.सोजानसिंह रावत तत्कसीईओ, यूडीए 2. मनीष यादव, स्थायी कर्मी, यूडीए 3. महावीर यादव (प्रायवेट व्यक्ति) निवासी गुना म.प्र. 4. के.सी. पाटीदार, कार्यपालन यंत्री, यूडीए 5. विनोद सिंघई, तत्कालीन कार्यपालन यंत्री यूडीए 6. नितिन यादव, तत्कालीन योजना प्रभारी त्रिवेणी विहार, 7. मुकेश सोलंकी, समिति सदस्य व योजना प्रभारी यूडीए 8. जयदीप शर्मा, तत्का संपदा अधिकारी, यूडीए 9. सौरभ कुमार दोहरे, तत्का. सहायकसंपरीक्षक, यूडीए एवं अन्य के विरूद्ध अपराध क्र.221 / 2023 धारा 7 13 (1) ए, 13 (2) भ्र.नि.अधि. 1988 (संशोधन 2018) व 409, 420, 120-बी भादवि का प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

20 के बाद शुरू होगा जीएफसी सर्वे

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया की टीम 20 अक्टूबर बाद मंदसौर सहित पूरे प्रदेश में गार्बेज फ्री सिटी मतलब जीएफसी का सर्वे शुरु कर देगी।

इसके लिए बड़े पैमाने पर तैयारी हो गई है। प्रत्येक टीम में सात से आठ सदस्य होंगे, जो सात से दस दिन तक सर्वे करेंगे। दरअसल अगस्त के अंत में हुए मुख्य सर्वे के दौरान बारिश होने से वह ठीक से नहीं हो पाया था। ऐसे में अब सरकार की मंशा है कि जीएफसी का सर्वे सख्ती से किया जाए। सर्वे का कोई लिखीत आदेश तो नहीं आया है। लेकिन, भोपाल से भनक लगने के बाद स्वास्थ्य विभाग का अमला अलर्ट हो गया है।

बताया गया है कि जीएफसी स्टार रेटिंग का रिजल्ट भी फाइनल स्वच्छ सर्वेक्षण के साथ ही आएगा। इस बार मुकाबला पहले ही कड़ा है। क्योंकि, सरकार ने मापदंड सख्त करते हुए अंक भी बढ़ाकर 9 हजार 500 कर दिए थे। वहीं सर्वेक्षण लेट होने से बारिश ने तैयारियो पर पानी फेर दिया था।

आदर्श आचार संहिता: नवरात्रि-दशहरा पर्व पर मंच से नेताजी रहेंगे दूर

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव से पहले नवरात्रि, दशहरा सहित दीपावली पर्व है। यह तीनो ही पर्व हिन्दू समाज के लिए महत्वपूर्ण है।

नवरात्रि पर्व के दौरान गरबा उत्सव की धूम रहेगी। इनमें विधानसभा चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी भी शामिल होंगे। लेकिन, चुनाव आयोग द्वारा कड़ी आदर्श आचार संहिता की नजरों में रहेंगे। पंडालों और गरबा में रात 10.00 बजे से सुबह 6.00 बजे तक लाउड स्पीकर नहीं बजेगा। नेताजी कोई मंच शेयर नहीं करेंगे। यहां वोट नहीं मांगेंगे। लेकिन, भीड़ से पार्टी विशेष के जयकारे लगवाए तो फंस जाएंगे। हालांकि, त्योहारों के बहाने जनता से मेल मुलाकात पर प्रतिबंध नहीं है।

बता दें कि पितृपक्ष खत्म होते ही उत्सवी माहौल आज रविवार से शुरु हो जाएगा। नवरात्रि में गरबों का आयोजन होगा। मां दुर्गा की झांकियां भी सजेंगी। गरबा और झांकी स्थलों पर भारी भीड़ जुटेगी। झांकियों और गरबा के आयोजनों में नेताजी भी समर्थकों के साथ पहुंचेंगे। वे झांकियों के कीर्तन-भजन समारोह में शामिल हो सकते हैं। ढोल-मजीरे बजा सकते हैं। लेकिन वोट नहीं मांग सकते। मंच पर भी नहीं जा सकते। ऐसा किया तो आचार संहिता के घेरे में आ जाएंगे।

किस दिन कौन सा महत्वपूर्ण त्यौहार...

✲ 15 अक्टूबर शारदीय नवरात्र ✲ 22 अक्टूबर दुर्गा अष्टमी ✲ 23 अक्टूबर दुर्गा नवमी ✲ 24 अक्टूबर दशहरा ✲ 10 नवंबर धन तेरस ✲ 12 नवंबर दिवाली ✲ 13 अक्टूबर गोवर्धन पूजा ✲ 14 अक्टूबर भाई दूज

मंच पर नहीं जा पाएंगे उम्मीदवार...

शहर के कई दुर्गा पंडालों, दशहरा उत्सव समितियों में कई उम्मीदवार पदाधिकारी या संरक्षक है। लेकिन आचार संहिता की वजह से इनको यहां इस बार भाषण देने के लिए मंच पर नहीं बुलाया जाएगा। वे सामान्य नागरिक के तौर पर आमंत्रित होंगे। आमजन की ही तरह प्रत्याशी भी दर्शन कर चले जाएंगे। इस बार किसी नेता को गरबा पांडाल अथवा दशहरा उत्सव में अतिथि नहीं बनाया जा रहा है।

अग्रसेन जयंती:आज निकलेगा गाजे-बाजे के साथ चल समारोह

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। 1008 महाराजा श्री अग्रसेन जी की जन्म जयंती पर अग्रवाल समाज देसी पंचायत मंदसौर द्वारा आज 15 अक्टूबर रविवार को संध्या 4 बजे जनकुपुरा गणपति चौक स्थित भगवान श्री नरसिंह मंदिर से गाजे बाजे के साथ नगर में भव्य चल समारोह निकाला जाएगा। चल समारोह में एक सुसज्जित रथ में महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा विराजित रहेगी। चल समारोह नगर के प्रमुख मार्गो अशोक टॉकीज रोड ,शुक्ला चौक, कालाखेत से राधा स्वीटस ,घंटाघर कालिदास मार्ग, बस स्टैंड बालाजी मन्दिर, नीलम होटल रोड होते हुए सीधे नयापुरा से नरसिंहपुरा स्थित महाराजा अग्रसेन मांगलिक भवन पहुंचेगा। जहां पर पांच दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के पुरस्कार वितरित किए जाएंगें। चल समारोह को इस बार भव्यता प्रदान करने हेतु आकर्षक बेण्ड, ताशे भी बाहर से बुलवाएं गए है।

पांच दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत आयोजित पगलिया बनाओं प्रतियोगिता में प्रथम रिधिका यश मित्तल, द्वितीय श्रुति आशीष गर्ग, तृतीय वंदना रिपांशु गर्ग रही। स्केचिंग बनाओं प्रतियोगिता में प्रथम वृंदा देवेन्द्र अग्रवाल, द्वितीय इशिता आशीष मित्तल, तृतीय चेतश गौरव मित्तल, केलेग्राफी में प्रथम निधिश हर्ष मित्तल, द्वितीय अधिराज पंकज सिंहल, तृतीय खनक जितेन्द्र गर्ग रही। वेजिटेबल डएाईग में प्रथम स्थान ध्याना राजेश गर्ग, द्वितीय रियांश यश मित्तल, एवं तृतीय अद्विका सुबोध सिंहल ने पाया। ग्रुप गेम में प्रथम कविता प्रकाश अग्रवाल, द्वितीय स्वाति योगेश अग्रवाल, तृतीय चंचल गौरव मित्तल। मटकी फोड़ में प्रथम विजय मुकेश गुप्ता, द्वितीय विपिन किरण मल अग्रवाल, तृतीय महेश गर्ग रहे। डांस प्रतियोगिता में प्रथम शिल्पा, नेहल, करिश्मा, द्वितीय रूचिका, सुभांगी, दिशा एवं तृतीय स्थान चंचल, रिधिका व आशी में ने प्राप्त किया। स्कूल कॉलेज लाईफ थीम पर आधारित नाट्य मंचन में प्रथम स्थान एकांशी अनिल सिंहल , पहल पंकज सिंहल, द्वितीय स्थान क्रिशा नरेन्द्र अग्रवाल व परी डॉ. दीपक अग्रवाल तथा तृतीय स्थान परिधि मनीष अग्रवाल एवं दर्शिका नितीन गर्ग ने प्राप्त किया। आज 15 अक्टूबर रविवार को महाराजा अग्रसेनजी की जन्म जयंति पर आयोजित चल समारोह में अग्र बंधुओं से सपरिवार भाग लेने का आव्हान अग्रवाल समाज देशी पंचायत के अध्यक्ष आशीष गुप्ता, संरक्षक विनोद गर्ग ,नरेंद्र अग्रवाल ,संयोजक नंदकिशोर अग्रवाल ,प्रमुख मार्गदर्शक राजमल गर्ग, अनिल गुप्ता, परामर्शदाता विशाल गोयल ततइ, सुरेश गर्ग अंकित, महा सचिव ओम अगर सर, कोषाध्यक्ष राजेश मित्तल, समाज चौधरी संतोष गोयल,उपाध्यक्ष ओम प्रकाश मित्तल, विकास अग्रवाल, संजय मित्ताल ,स्वागत अध्यक्ष प्रो.अशोक अग्रवाल, ताराचंद अग्रवाल, दिनेश गर्ग विमल अग्रवाल, उप स्वागतध्यक्ष डॉ. आशीष अग्रवाल ,अमित अग्रवाल ,रितेश गर्ग, प्रवक्ता गोपी अग्रवाल ,सचिव जगदीश अग्रवाल ,प्रवीण अग्रवाल ,अनिल अग्रवाल अमृत , रत्नेश गर्ग, हिसाब निरीक्षक यशवंत गोयल, सांस्कृतिक सचिव सत्य प्रकाश गर्ग ,ललित अग्रवाल, संदीप गर्ग ,सुमित मित्ताल , संगठन सचिव सुभाष गुप्ता, राजेंद्र बंसल, पियूष गर्ग ,कार्यालय मंत्री हेमंत अग्रवाल, निखिल कबाड़ी, मार्गदर्शक मंडल सर्व श्री योगेश गुप्ता, परमानंद अग्रवाल, हंसराज कबाड़ी, मुकेश गुप्ता, अरविंद कागला, महेश गर्ग, आदिश गर्ग, गिरीश अग्रवाल, संजय गुप्ता, महावीर गर्ग, जितेंद्र मित्तल, विमल अग्रवाल ,नीरज अग्रवाल, विपिन बारिक, महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती बीना गर्ग, महामंत्री श्रीमती मनीषा गर्ग एवं गर्ल्स क्लब अध्यक्ष सुश्री आशी गोयल एवं महासचिव सुश्री खुशी गोयल ने किया।

कांग्रेस का मातृ शक्ति मिलन समारोह सम्पन्न

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिला महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष एवं जिला कांग्रेस महामंत्री बबीतासिंह तोमर द्वारा प्रेम गार्डन रेस्टोरेंट मन्दसौर पर आयोजित मातृशक्ति मिलन समारोह में बड़ी संख्या में महिला नेताओं ने भागीदारी की। सहभोज के साथ संपन्न इस आयोजन में सभी महिला नेताओं ने मन्दसौर में कांग्रेस के लिए कार्य करने का संकल्प किया एवं मध्य प्रदेश में कमलनाथ जी फिर से मुख्यमंत्री बने इस बात का संकल्प किया।

इस आयोजन में प्रदेश कांग्रेस महामन्त्री पूर्व विधायक श्री नवकृष्ण पाटिल,जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री विपिन जैन,शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेन्द्रसिंह तोमर,नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी,वरिष्ठ नेता सरोजसिंह जी सिसोदिया ने संबोधित किया। पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ जी के सशक्त नारी से ही बनेगा सशक्त समाज व बराबरी का साथ निभाएं, महिलाएं अब आगे आएं। स्लोगन के साथ सभी ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष इष्टा भाचावत ने किया व सभी का आभार शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष अनिता जी भदौरिया ने माना।कार्यक्रम में सभी वरिष्ठमहिला नेताओं,पूर्व पार्षदगण व वर्तमान पार्षदगण के साथ नवनियुक्त जिला व ब्लॉक कांग्रेस की महिला नेता पदाधिकारियों का स्वागत बबीतासिंह जी तोमर द्वारा किया गया।

57 लीटर कच्ची शराब जप्त, 6 को पकड़ा

पिपलियामंडी, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने अवैध शराब के साथ पिपलियामंडी पुलिस ने 6 आरोपियों को पकड़ा। 15 लीटर शराब के साथ सोनगिरी निवासी रईस खां पिता अब्दुल खां को, मल्हारगढ़ पुलिस ने 15 लीटर कच्ची शराब के साथ लसुड़िया कदमाला निवासी मिठ्ठूलाल पिता हेमराज बावरी को, नारायणगढ़ पुलिस ने 10 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब के साथ गरार्वद निवासी विजयसिंह पिता बहादूरसिंह सोंधिया को, झारड़ा चोकी पुलिस ने 10 लीटर शराब के साथ हरमाला निवासी शांतिलाल पिता मोहनलाल पंवार को, बूढ़ा चोकी पुलिस ने 7 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब के साथ दोरवाड़ा निवासी विनोदसिंह पिता बहादूरसिंह सोंधिया को, नाहरगढ़ पुलिस ने 40 क्वार्टर के साथ सूरी निवासी भोपालसिंह पिता प्रतापसिंह राजपूत को

ननद ने भाभी को पीटा, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। महिला ने ननद के खिलाफ मारपीट व हमला करने की शिकायत दर्ज कराई। विशनिया डाक बंगला निवासी मीराबाई पति कन्हैयालाल भील ने नाहरगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि खेत हकाई के दौरान ननद मन्जूबाई आई और खेत हाकने से मना करते हुए गाली-गलौज कर मारपीट की व दराते से हाथ पर वार कर जख्मी कर दिया। पुलिस ने नारायणीबाई के खिलाफ केस दर्ज किया।

टक्कर मारने वाले पिकअप ड्राइवर पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। बाइक सवार को टक्कर मारकर घायल करने वाले पिकअप ड्राइवर पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। कुण्डीखेड़ा लोध निवासी घनश्याम पिता मांगीलाल कुमावत ने नाहरगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई वह खेत से बाइक (एमपी 14 एमएस 5229) पर सवार होकर घर जा रहा था। इसी दौरान पिकअप (एमपी 14 जीसी 2834) के ड्राइवर ने तेज व लापरवाहीपूर्वक चालकर टक्कर मार दी। पुलिस ने पिकअप चालक पर केस दर्ज किया।

नि:शुल्क मूर्तियों का वितरण आज

पिपलियामंडी, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शोभाराम हेमनानी परिवार की ओर से नवरात्रि पर्व पर 15 अक्टूबर को प्रात: 10 बजे 71 मूर्तियों का नि:शुल्क वितरण होगा। आयोजन गांधी चोराहे पर स्थित मातेश्वरी धाम पर किया जाएगा।

मनासा में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई हेतु विशेष कैंप आयोजित

मनासा, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। आदर्श आचरण संहिता के प्रभावी पालन हेतु अनुभाग मनासा में थाना मनासा, कुकड़ेश्वर एवं रामपुरा के आदतन अपराधियों को सीआरपीसी की धारा 110 के अंतर्गत शनिवार को 24 लोगों को पेश किया गया। जिनका अंतिम बंध पत्र स्वीकार कर परिशांति बनाए रखने के आदेश जारी किए गए। थाना मनासा के कंजार्डा चौकी के सीआरपीसी की धारा 151 में शनिवार को चार लोगों को सक्षम जमानत प्रस्तुत न करने पर परिशांति बनाए रखने के लिए जेल अभिरक्षा में भेजा गया।यह जानकारी एसडीएम मनासा श्री पवन बारिया ने दी।

जिले के मतदान केन्द्रों को एकीकृत, आकर्षक डिजाईन में तैयार किया

नीमच, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन-2023 के अंतर्गत कलेक्टर एंव जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन,एडीएम सुश्री नेहा मीना के मार्गदर्शन में मतदाता जागरूकता गति-विधियों के अन्तर्गत् नीमच जिले के सभी मतदान केन्द्रों को एकीकृत डिजाईन में तैयार करवाया गया है। जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद ने बताया, कि जिले के सभी मतदान केन्द्रो की दीवारों पर एकीकृत डिजाईन तैयार करवाई गई है। कलेक्टर श्री जैन ने गत दिवस पडदा, भाटखेडी में मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर, इन मतदान केन्द्रों पर एकीकृत डिजाईन की सराहना की।

हाई स्कूल डूंगालवाड़ा में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम-हाई स्कूल डूंगलावदा के विद्यार्थियों ने विधानसभा चुनाव 2023 के लिए नागरिकों को मतदान के लिए प्रेरित करने हेतु मतदान के तिथि से आम आदमी को अवगत करवाया एवं संदेश दिया, कि मतदान आपका अधिकार भी है और कर्तव्य भी इसका निर्वहन अवश्य करें। इस अवसर पर संपूर्ण विद्यालय परिवार मतदान जागरूकता का संदेश देने उपस्थित थे।

कलेक्टर एवं एसपी ने किया बार्डर चेक पोस्ट का निरीक्षण

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव एवं पुलिस अधीक्षक श्री अनुराग सुजानिया ने कचनारा, भावगढ़, नांदवेल में राजस्थान बॉर्डर से लगे चेक पोस्ट का निरीक्षण किया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत कुमार सत्यम मौजूद थे।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि वाहनों की चेकिंग के दौरान वीडियोग्राफी जरूर करें। चेक पोस्ट पर अब तक की गई कार्यवाही की जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली। उन्होंने चेकपोस्ट पर पदस्थ अधिकारियों को निर्देश दिए कि मार्ग से गुजरने वाले वाहनों की सख्ती से जांच की जाये, ताकि अवैध शराब व अवैध नगदी के परिवहन पर रोक लगाई जा सके।

भगवान दत्तात्रेय की जयंती को लेकर दशनाम गोस्वामी समाज की बैठक आज

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दशनाम गोस्वामी समाज द्वारा भगवान दत्तात्रेय की जयंति 26 दिसम्बर 2023, गुरूवार को भव्य रूप से मनाई जाएगी। जिसमें मालवा मेवाड़ के 21 मण्डलों के महंतों के नेतृत्व में बड़ी संख्या में मंदसौर व नीमच जिले के गोस्वामी समाज के बंधुवर उपस्थित रहेंगें।

उक्त जानकारी देते हुए दत्तात्रेय समाज निर्माण समिति अध्यक्ष शैलेन्द्रगिरी गोस्वामी ने बताया कि उक्त आयोजन को भव्यता प्रदान करने हेतु देने हेतु आज 15 अक्टूबर रविवार को प्रात: 11 बजे समाजजनों की एक बैठक श्री पशुपतिनाथ मंदिर स्थित श्री दत्तात्रेय मंदिर परिसर में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता दशनाम गोस्वामी समाज मंदसौर के जिलाध्यक्ष श्री भेरूपुरजी ढाबला करेंगे। जिसमें मालवा मेवाड के समाजजनों को आमंत्रित किया गया है। दशनाम गोस्वामी समाज ने सभी समाजजनों से बैठक में उपस्थित रहने की अपील की है।

पेंशनर व वरिष्ठ नागरिक महासंघ का स्थापना दिवस, इकाई का पुर्नगठन

पिपलियामंडी, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सेवानिवृत पेंशनर व वरिष्ठ नागरिक महासंघ का स्थापना दिवस खात्याखेड़ी मार्ग वाटर पार्क पर सम्पन्न हुआ। अतिथि श्रवणकुमार त्रिपाटी, कृष्णपालसिंह शक्तावत, कृष्णपालसिंह शक्तावत, अरविन्दानंद सरस्वती की उपस्थिति में पिपलिया नगर इकाई का पुर्नगठन किया। जिसमें संरक्षक देवीलाल सेठिया, सत्येन्द्र आर्य, हुक्मीचन्द कनेरिया व बंशीलाल कारपेन्टर, अध्यक्ष पंकज शर्मा तरुण, उपाध्यक्ष हरिसिंह यादव, कन्हैयालाल कारपेन्टर, सचिव अमृतलाल जैन, घनश्याम शर्मा व भगवतीप्रसाद गेहलोत, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र केथवास, सदस्य शशिकला तिवारी, रेखा शर्मा, रामसिंह राठौड, गोवर्धनसिंह पंवार व बगदीराम गुप्ता को लिया। निर्वाचित पदाधिकारियों का समिति सदस्यों ने सम्मान किया। इस अवसर पर नवलसिंह चुण्डावत, राजेन्द्र पोरवाल, अम्बालाल कारपेन्टर, कालूराम खटाना, बालूराम कराड़ा, सुरेशचन्द्र, जुमना शर्मा, महेश तिवारी, गोपालसिंह, भुवानीराम परमार, देवीलाल यादव, मदनलाल शर्मा, केवलचन्द टेलर, शांतिबाई, पुष्पादेवी लक्षकार आदि उपस्थित रहे। संचालन चन्द्रकला शर्मा ने किया।

सेल्फी प्वाइंट के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिए किया जा रहा जागरूक

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए गांव-गांव में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए हर तरह की गतिविधि का प्रयोग किया जा रहा है। इन गतिविधियों में मतदाताओं द्वारा सेल्फी प्वाइंट के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक किया जा रहा है। मतदाताओं में मतदान के प्रति गहरी रूचि एवं उत्साह देखा गया। नए मतदाताओं का कहना है कि हम इस बार जरूर मतदान करेंगे तथा देश के लोकतंत्र को मजबूत बनाने में हम अपना अहम योगदान भी देंगे। इसके साथ ही मतदाताओं को किस तरह से मतदान करना है। मतदान करने से क्या फायदा है आदि के संबंध विस्तार से बताया। यह सभी गतिविधियां स्वीप के माध्यम से की जा रही है। स्वीप गतिविधि के द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी का प्रशिक्षण 17 व 18 को

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा बताया गया कि विधानसभा निर्वाचन 2023 के मतदान सम्पन्न कराने के लिए पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी क्रं 1 का प्रथम प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण 17 एवं 18 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। 18 अक्टूबर शासकीय महाविद्याय गरोठ, 17 व 18 को शासकीय कन्या उ.मा. विद्यालय मल्हारगढ़, 17 व 18 को शासकीय महाविद्यालय मंदसौर, 17 को उत्कृष्ट विद्यालय भानपुरा, 17 व 18 को शासकीय महाविद्यालय सीतामऊमें प्रशिक्षण दिया जाएगा।

बस की टक्कर से बाईक सवार दो जन घायल

नीमच, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सिटी थाना क्षेत्र में बाइक सवार 2 लोगों को बस ने टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार दो जन गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें एम्बुलेंस से बड़े अस्पताल ले जाया गया। एक घायल का पैर बुरी तरह जख्मी हो गया। उसे निजी अस्पताल रेफर किया गया है।

शुक्रवार रात मंदसौर जिले के चंगेरी गांव निवासी देवीलाल पिता बद्रीलाल और दीपक पिता रामस्वरूप बाइक से मल्हारगढ़ जा रहे थे। इसी दौरान जमुनिया कला गांव के पास तेज रफ्तार बस ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद बस ड्राइवर फरार हो गया। दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने 108 एंबुलेंस को बुलाया और घायलों को नीमच के बड़े अस्पताल भिजवाया।

श्री केशव सत्संग खानपुरा में आज से मनाया जावेगा नवरात्र महोत्सव

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। श्री केशव सत्संग भवन खानपुरा में आज 15 अक्टूबर रविवार को प्रात: 8 बजे घट स्थापना की जाकर 8.30 बजे से श्री रामचरित मानस का सामूहिक नवान्ह पारायण पाठ प्रारंभ होगा। श्री केशव सत्संग भवन खानपुरा ट्रस्ट अध्यक्ष जगदीशचन्द्र सेठिया, सचिव कारूलाल सोनी, उपाध्यक्ष राधेश्याम गर्ग, जयप्रकाश गर्ग, कोषाध्यक्ष मदनकुमार गेहलोत, सहसचिव प्रवीण देवड़ा, न्यासीगण प्रहलाद काबरा, विनोद गर्ग, बंशीलाल टांक, सत्यनारायण सोमानी, नन्दलाल गुप्ता, जगदीशचन्द्र गर्ग, संतोष जोशी, जगदीशचन्द्र भावसार, शशिकांत मित्तल ने सभी मानस प्रेमी धर्मालुजनों से मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान राम के आदर्श चरित्र सिद्ध रामायण पाठ में सम्मिलित होने का अनुरोध किया है।

अब्दुल वाहिद रईस आंचलिक पत्रकार संघ के प्रदेश सचिव बने

गुप्ता जिलाध्यक्ष, तुलसीराम जिला महासचिव मनोनीत

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। आंचलिक पत्रकार संघ मप्र के प्रदेश अध्यक्ष श्री रमेश टांक ने जावरा में आयोजित संभागीय सम्मेलन में मंदसौर के वरिष्ठ पत्रकार अब्दुल वाहिद रईस को आंचलिक पत्रकार संघ का प्रदेश सचिव बनायें जाने की घोषणा की। प्रदेश अध्यक्ष टांक ने संगठन के मंदसौर जिलाध्यक्ष पद पर सुवासरा के पत्रकार विनोद गुप्ता को एवं जिला महासचिव पद पर नाहरगढ के पत्रकार तुलसीराम राठौर को मनोनित किया।

इस अवसर पर संभागीय सम्मेलन में उपस्थित पत्रकारगण गायत्री प्रसाद शर्मा, रमेश पाठक आलोट, सुनिल वर्मा, कमल प्रजापति आकोदिया, रमेश गोयल नामली, गोपाल उपाध्याय महिदपुर रोड, हेमंत सिंह राजपूत महिदपुर सिटी, अजयसिंह धनेसरा, कमल सेन झार्डा, जितेन्द्र वरोला आलोट, पंकज बैरागी सुवासरा, श्याम परिहार खेताखेडा तथा उपस्थित पत्रकारों ने बधाई दी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री रमेश टांक का आभार व्यक्त किया।

नकली पासपोर्ट घोटाला मामले में सीबीआई की कार्रवाई...

50 से ज्यादा ठिकानों पर रेड मारकर 2 लोग किए गिरफ्तार

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। नकली पासपोर्ट घोटाले मामले में केंद्रिय जांच एजेंसी सीबीआई सक्रिय हो गई है। सीबीआई ने देश में 50 से ज्यादा ठिकानों पर छापामार कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने कोलकाता, सिलीगुडी, दार्जिलिंग और गंगटोक में छापामार कार्रवाई की है।

सीबीआई को गंगटोक पासपोर्ट सेवा केंद्र में छापा मारकर बड़ी सफलता मिली। सीबीआई ने गंगटोक पासपोर्ट सेवा केंद्र के एक वरिष्ठ अधीक्षक गौतम कुमार और एक होटल एजेंट को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने गौतम कुमार और होटल एजेंट के पास से 1 लाख 90 हजार रुपये भी जब्त किये हैं। ये दोनों बिचौलियों के लिये फर्जी पासपोर्ट बना रहे थे। सीबीआई ने 24 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

सुगम मतदान विषय पर लघु कार्यशाला कल

मंदसौर, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सुगम मतदान विषय पर लघु कार्यशाला का आयोजन कुशाभाउ ठाकरे ऑडिटोरियम मंदसौर में आयोजित किया गया है। कार्यशाला 16 अक्टूबर 2023 को दोपहर 1 बजे आयोजित होगी।

नवरात्रि पर विशेष...

नालछा गांव में था नाहरसिंह माई का मंदिर, इसलिए नाम पड़ गया नालछा माता

मंदसौर, 14 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नगर से करीब पांच किलोमीटर दूर स्थित नालछामाता मंदिर चमत्कारिक स्थान है। इसकी पुष्टिमंदिर से जुड़ी मान्यताओं और घटनाओं में होती है। इस स्थान पर मंदिर की स्थापना कब और कै से हुई, यह इतिहास न तो माता की सेवा करने वाले पुजारी को पता है और न ही भक्तों को। इतना जरूर बताते हैं कि जिस स्थान पर आज माता की प्रतिमा विराजित है, सैकड़ों वर्षों सें प्रतिमा उसी स्थान पर है। यह अद्वितीय मंदिर है, जहां पर एक ही गादी पर माता रानी और भैरवनाथ विराजित है। मान्यता है कि मां नालछा दिन में तीन बार रूप बदलती है। सुबह बाल्यावस्था, दोपहर में युवावस्था और रात्रि में वृद्धावस्था का रूप दिखता है। नालछामाता का

मंदिर पुजारी ने बताया, अनेक बार आए चोर मंदिर में नहीं घुस पाए

वास्तविक नाम नाहरसिंह माता है। लेकिन जिस स्थान पर माता की प्रतिमा विराजित है, वह उस गांव का नाम नालछा है। इसी के चलते धीरे-धीरे नाम नालछामाता पड़ गया। जानकारी के अनुसार ग्राम नालछा महाराजा दशरथ की अयोध्या रियासत का अंतिम छोर था। यहां पर हजारों वर्ष पुराने इस नालछामाता मंदिर की ख्याती तीन दशकों में ज्यादा बढ़ी है। शहर ही नहीं अपितु जिले व प्रदेश के विभिन्न अंचलों से भी भक्त यहां माता रानी के दर्शन के लिए आते हैं। यह स्थान विश्व की एक मात्र प्रतिमा है, जिसमें मां भवानी नालछा और बाबा भैरव एक ही गादी पर विराजित है।

सतयुग का बताया जाता है मंदिर...

मंदिर की स्थापना कब और कैसे हुई इसका उल्लेख तो कहीं नहीं मिलता है। बताया जाता है कि मां नालछा का मंदिर राजा दशरथ के समय यानि सतयुग का है। कई वर्षों तक माली समाज द्वारा माता की सेवा, पूजा, अर्चना की गई। करीब 25 वर्ष पहले मंदिर शासन के अधीन होने के बाद से व्यवस्था में परिवर्तन हो गया। पुजारी के अनुसार आरती के समय माता की प्रतिमा पर चढाए जाने वाले फूल आज भी गिरते हैं, जिससे मान्यता यह है कि माता आरती में भक्तों को आशीर्वाद देती है। नालछामाता मंदिर पर नियमित आने वाले भक्तों के अनुसार मंदिर का इतिहास बहुत पुराना है। इसके बारे में कुछ भी कहा जाना मुश्किल है। सभी मंदिरों में भैरवनाथ का मंदिर माता के मंदिर से अलग नजदीक स्थान पर होता है। लेकिन नालछामाता माता में ऐसा नहीं है। यहां माता और भैरवनाथ दोनों एक साथ एक ही गादी पर विराजित है। नालछामाता मंदिर अत्यंत चमत्कारी और सिद्ध स्थल है।

शेर की धहाड़ सुन डर गई थी औरंगजेब की सेना...

मान्यता यह भी है कि माता मंदिर पर शेर आते थे। इसका उल्लेख एक घटना में होता है। इस्वी सन 1691 में औरंगजेब की सेना नालछा के मैदान में ठहरी हुई थी। वहां पर किसी शेर के दहाड़ने की आवाज आ रही थी। इसके चलते पूरी सेना में खौफ छा गया। गुप्तचर विभाग ने जंगल में शेर को ढूंढने का प्रयास भी किया, लेकिन शेर कहीं नहीं मिला। इसी चमत्कार के चलते औरंगजेब की सेना ने मंदिर को कुछ भी नुकसान नहीं पहुंचाया।

मंदिर के चैनल को पार नहीं कर सके चोर...

नालछामाता मंदिर पर कभी भी कोई चोरी व लूट की घटना नहीं हुई। मंदिर के पुजारी पं. संजय शर्मा के अनुसार करीब आठ बार मंदिर परिसर में चोर व लूटेरे आ चुके हैं। लेकिन कभी भी मंदिर के अंदर तक नहीं पहुंचे। चैनल गेट के हाथ लगाते ही चैनल बजने से कभी सुरक्षा कर्मी जाग गए तो कभी गेट तक पहुंचने के बाद चोर उलटे पांव लौट गए। पुजारी संजय शर्मा ने बताया कि करीब 50 साल पुरानी सत्य घटना है। मंदिर पर रात में महिलाओं का जागरण हो रहा था। इसी दौरान मंदिर पर चोरी करने की नियत से

कु छ चोर मंदिर परिसर में आ गए, तब यहां पर पहाड़ी थी। जागरण कर रही महिलाओं को इसकी भनक लग गई। एक महिला के शरीर में माता आई और बोला कि कुछ नहीं होगा। चोर जैसे ही मंदिर के समीप पहुंचे तब उन्हें मंदिर की ओर जाने वाला रास्ता तो दिख रहा था लेकिन वापस जाने का रास्ता नजर नहीं आ रहा था। इससे चोर डर गए और वे मंदिर पर धोक लगाकर मुड़े तो रास्ता नजर आ गया। इसके बाद सभी बदमाश चले गए।

बदमाश जैद से मिलने वाली... पेज 1 से जारी

जैद ने सौतेली मां की भी हत्या की थी। इस दौरान उसे बाल सम्प्रेषण गृह उदयपुर भेजा गया। वहां के स्टॉफ पर भी जैद ने जानलेवा हमला किया। नाबालिग रहते हुए बंदूक चलाने के मामले में जैद के खिलाफ प्रकरण दर्ज है। मंदसौर में 15 ग्राम ब्राउन शुगर और जींद हरियाणा मे चार सौ ग्राम ब्राउन शुगर तस्करी का मामला भी दर्ज है। जैद के दादा अखेपुर निवासी कय्यूम पिता हकीम खां पठान पर भी वर्ष 1977 से लेकर 2019 तक हत्या, लूट, एनडीपीएस एक्ट जैसे गंभीर मामले दर्ज है। इसके साथ ही जैद के पिता आजम खान पठान पर भी 2002 से लेकर 2018 तक आर्म्स एक्ट, हत्या, लूट और एनडीपीएस एक्ट जैसे गंभीर मामले दर्ज है। दादा, पिता और जैद तीनों पर ये मामले राजस्थान और मप्र राज्य के थानो में दर्ज है।

महापौर उम्मीदवार रहे मयंक जाट नहीं लड़ पाएंगे विस चुनाव

रतलाम, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार की सूची आने के पहले रतलाम शहर में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। रतलाम शहर विधानसभा क्षेत्र से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ की पहली पसंद माने जा रहे युवक कांग्रेस अध्यक्ष मयंक जाट अब विधायक का चुनाव नहीं लड़ पाएंगे।

कांग्रेस के युवा नेता मयंक जाट को हत्या के प्रयास के मामले में जिला एवं सत्र न्यायालय रतलाम द्वारा सजा सुनाई गई थी। उनके द्वारा उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में याचिका लगाते हुये दोषसिद्धि पर स्थगन मांगा गया था। लेकिन, हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद उन्हें स्थगन नहीं मिला है। जबकि, रतलाम शहर विधानसभा के लिए भारतीय जनता पार्टी चेतन्य काश्यप को अपना उम्मीदवार पहले ही घोषित कर चुकी है। दरअसल मयंक जाट, रतलाम विधानसभा से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में प्रबल दावेदार थे और जिनका टिकट लगभग तय माना जा रहा था। इससे पूर्व नगर निगम चुनाव में महापौर पद के लिए मयंक जाट ने भाजपा के उम्मीदवार प्रहलाद पटेल को कड़ी टक्कर दी थी। इसके बाद यह माना जा रहा था कि मयंक जाट को विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस उम्मीदवार बनाया जा सकता है।

भाजपा अपनी संस्कृति बदल रही है या शीर्ष नेतृत्व बदलवा रहा है..!

मंदसौर/उज्जैन, 14 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। एनडीए बनाम भाजपा का अब तक का शासन दो हिस्सों में 15 साल की उम्र का माना जा सकता है। पहला स्व. अटल बिहारी वाजपेई के प्रधानमंत्रीत्व काल का था। कई दलों के तालमेल के साथ अटल सरकार को तत्कालीन दौर में विश्व भर में कूटनीतिक और सैद्धांतिक राजतंत्र का पालन करने वाली सरकार माना गया था।

चन्द्रमोहन भगत

पहली बार भाजपा जैसे राजनीतिक दल के भारतीय प्रधानमंत्री थे, दुनिया के अलावा देश में उनके घोर विरोधी राजनीतिक दल, उनके नेता आज भी अटल जी को भारत के राजनीतिक आदर्श का पालन करने वाले प्रधानमंत्री के रूप में याद करते हैं।

अटल जी के बाद दूसरे एनडीए के भाजपाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2014 से वर्तमान तक बने हुए हैं। दोनों के राजनीतिक चरित्र में बड़ा अंतर है और कार्य प्रणाली तो एकदम विपरीत है। अटल जी कार्यलयीन बैठक से लेकर सार्वजनिक मंच और फिर सदन में सांसद की हैसियत से या सत्ता पक्ष के नेता प्रधानमंत्री की हैसियत से जो कहते थे, उसका पालन और चरितार्थ करते थे। आज की एनडीए के प्रधानमंत्री और अटल जी में तुलना इसलिए की जा रही है कि एकदम विपरीत कार्य प्रणाली के कारण ऐसा लगने लगा है कि भाजपा का अपना लोकतंत्र समाप्त होता जा रहा है या विजन एकदम उलट हो गया है। यहां तक की शीर्ष नेता ही अपने सार्वजनिक कथन से सार्वजनिक स्तर पर पलट कर झूठे होने को परिभाषित करते हैं। ऐसा अनेक बार सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत करने के बाद भी यह बलात दर्शाना कि देशवासी उन्हें सच्चा इंसान, गरीब देशवासियों का मसीहा, राष्ट्र की प्रगति का द्योतक मानते हैं। ये भी कि देश का चौथा स्तंभ भी उन्हें ऐसा ही माने जैसा वे स्वयं को प्रस्तुत करते हैं!

ऐसा राजतंत्र के समय राजा और गुलामी के समय अंग्रेज शासक चाहा करते थे। आज के लोकतंत्र में सरकार के मुखिया से देश की किसी भी स्थिति को लेकर प्रश्न करना अपराध जैसी श्रेणी में गिना जाने लगा है। भाजपा जिसे जनसंघ के काल से दूसरे दलों से अलग स्पष्ट विचारधारा वाली पार्टी माना जाता था। आज दूसरे बल्कि जिन्हें खुद ने भ्रष्ट साबित कर सार्वजनिक सजा दिलाने का गारंटी से ऐलान किया और 72 घंटे में ही अपना खुद का सार्वजनिक ऐलान और गारंटी को भुला दिया! ऐसी अनेक घटनाएं पिछले 9 सालों में मिल का पत्थर बन भाजपा की एनडीए सरकार की अनुपलब्धियां का रिकॉर्ड बनती जा रही है।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। जिस जनमत में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनके भाषणों, दावों और गारंटी के भरोसे देश की सत्ता सौपी तब के पूर्व सत्ताधारियों को सांप सूंघ गया था। सभी का भ्रष्टचार से कमाया काला धन चाहे नेता हो उद्योगपति या ब्यूरोक्रेट्स उजागर कर जप्त किया जाकर जनता में बटेगा, यह कहा गया था। इतना सब करने के लिए 60 महीने मांगे थे। गारंटी खत्म हुए 48 महीने और बीत गए दावों पर कुछ हुआ। वहीं जो उद्योगपति गले मिला उसका कर्जा माफ हो गया और राजनेता मिले तो मुख्यमंत्री , उपमुख्यमंत्री पद इनाम में दिए गए।

इस बदलाव के कारण ही यह माना जा रहा है कि भाजपा अपनी संस्कृति बदल रही है? या शीर्ष नेतृत्व बदलवा रहा है! क्योंकि, देशवासियों को याद है 1 वोट के लिए अटल जी ने समझौता नहीं किया था। अपनी सरकार खोई थी, आज अनेक राज्य में एनडीए विरोधियों के मतों पर बनी हुई सरकार चल रही है।

✻ उठावना ✻

स्व. ओमप्रकाश जी वर्मा के पुत्र एवं संजय वर्मा (पत्रकार) के अनुज, सतीश (अप्पू) वर्मा के भ्राता, कार्तिक व जतिन के पूज्य पिताजी व दिव्यांश के काकाजी श्री शैलेन्द्र जी (बंटी) वर्मा का निधन 13 अक्टूबर 2023 शुक्रवार को हो गया है। जिनका उठावना दिनांक 15 अक्टूबर रविवार को दोपहर- 2:30 बजे कुमावत धर्मशाला रामटेकरी मंदसौर पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
राजेश वर्मा इंदौर
संजय वर्मा ,सतीश वर्मा (सोनी) परिवार मन्दसौर

✻ उठावना ✻

राजेंद्र कुमार व सत्येंद्र कुमार गेंदर की छोटी बहिन एवं विजेंद्र, शैलेन्द्र, उज्ज्वल, राजीव, संजय की बुआजी व कार्तिक की बुआमाँ सुश्री विजयाजी पिता स्व श्री रामनारायणजी गेंदर का आकस्मिक देवलोकगमन 13 अक्टूबर 2023, शुक्रवार को हो गया है। उठावना दिनांक 15 अक्टूबर 23, रविवार को प्रात: 11 बजे बजे निज निवास 303, स्टेशन रोड, पुलिस कॉलोनी गेट के पास, मंदसौर पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
राजेंद्रकुमार, सत्येंद्रकुमार गेंदर, मंदसौर

अग्रोहा धाम के महाराजा श्रद्धा और विश्वास के प्रतीक, अग्रवाल समाज के कुलपुरूष

प्रजातंत्र के पोषक, जनसेवा में अग्रणी, कूलदेवी माँ लक्ष्मी के अनन्य उपासक अग्रवंश के कूल शिरोमणी छत्र चंवरधारी

1008 महाराजा श्री अग्रसेन जी

की जयंती पर समस्त नागरिकों को

हार्दिक शुभकामनाएं

आशीष अनिल गुप्ता

अध्यक्ष

एवं समस्त पदाधिकारी

अग्रवाल समाज (देशी पंचायत) मंदसौर

अग्रकुल नायक

महाराजा अग्रसेनजी

की जन्म जयंति पर समस्त अग्र समाज व देशवासियों को

हार्दिक शुभकामनाएं

**********बधाईकर्ता**********

संजय शांतिलालजी गर्ग सुनील गर्ग आयुष गर्ग

श्री राम आईल, मंदसौर (म.प्र.)

अग्रकुल नायक

महाराजा अग्रसेनजी

की जन्म जयंति पर समस्त अग्र समाज व देशवासियों को

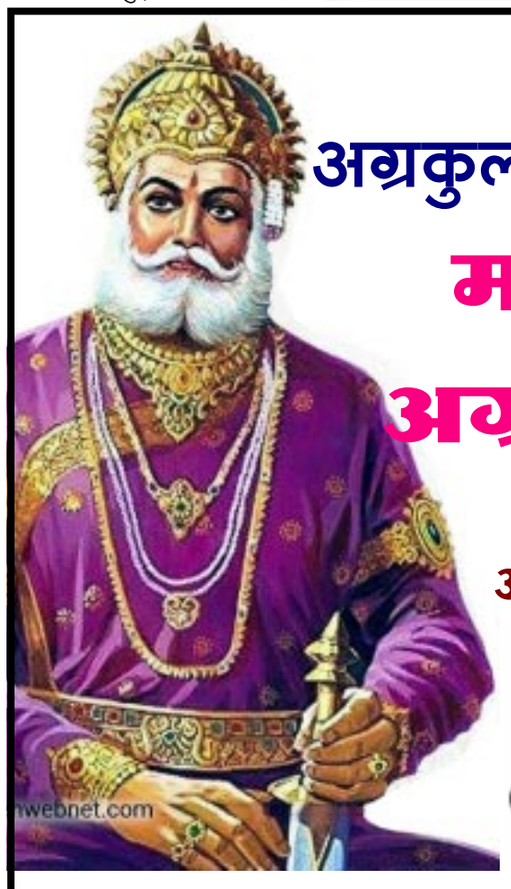

हार्दिक शुभकामनाएं

SEHAT GOLD

प्रो.- हर्ष मित्तल

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in